स्कूल पाठ्यक्रम में महात्मा गांधी की शिक्षाएँ

चर्चा में क्यों?

28 सितंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने कहा कि महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षाओं को छत्तीसगढ़ के स्कूलों में कक्षा 5 से 12 तक के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा, ताकि बच्चों को उनके अहिंसा संबंधी आदर्शों और सिद्धांतों से अवगत कराया जा सके।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसके लिये मुख्य सचिव को निर्देश दिये हैं कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ आत्मनिर्भर बनाने वाली शिक्षा का प्रबंध राज्य शासन द्वारा सुनिश्चित किया जाए।
- इसमें शहरी के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को गांधीजी की मंशा के अनुरूप शिक्षा दी जाएगी।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर **गांधीजी के आत्मनिर्भर ग्राम की संकल्पना को पूरा करने के लिये** स्कूली बच्चों को गाँव का भ्रमण कराकर सरकार की महत्त्वाकांक्षी सूराजी गाँव योजना के तहत नरवा, गरुवा, घुरुवा और बाड़ी के बारे में विस्तार से बताया जाएगा।
- इससे बच्चों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ-साथ जल और मृदा संरक्षण जैसे विषयों पर जानकारी मिल सकेगी और एक आत्मनिर्भर ग्राम की कल्पना को साकार किया जा सकेगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/teachings-of-mahatma-gandhi-in-the-school-curriculum